भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1170

उत्तर देने की तारीखः 25.11.2019

क्यूएस विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग

1170. डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हेः

श्री ए. के. पी. चिनराजः

श्री बालाशौरी वल्लभनेनीः

डॉ. सुभाष रामराव भामरेः

श्री कुलदीप राय शर्माः

श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरेः

श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुलेः

क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या क्यूएस विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग के अनुसार वर्तमान में भारत दुनिया भर के विद्यालयों में अंतर्राष्ट्रीय छात्र नामांकन के मामले में केवल चीन के बाद दूसरे स्थान पर है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार के पास विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान विदेश में अध्ययनरत भारतीय छात्रों की संख्या के बारे में कोई ब्यौरा है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और जिन पाठ्यक्रमों को उन्होंने चुना, उनका राज्य/देश-वार ब्यौरा क्या है;

(ङ) विदेश में अध्ययन करते समय भारतीय छात्रों के समक्ष आने वाली समस्याओं और इन समस्याओं के समाधन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या विदेश में अध्ययन कर रहे छात्रों ने मारपीट/हिंसा के मामले सूचित किए हैं और यदि हां, तो विदेश में भारतीय छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्री

(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क) और (ख): क्यूएस रैंकिंग समान्यत: गैर सरकारी एजेंसियों द्वारा किए गए सर्वेक्षणों पर आधारित होती हैं तथा यह ''अवधारणा'' घटक को पर्याप्त वेटेज देती है, जो कि स्वाभाविक रूप से विषयपरक है इसके आकार और जनसंख्या तथा सामाजिक-आर्थिक और भौगोलिक विविधताओं को देखते हुए भारतीय विश्वविद्यालय और संस्थान कई विकासशील देशों के विश्वविद्यालयों और संस्थानों से बेहतर कार्य कर रहे हैं। भारतीय विश्वविद्यालयों के मानदंडों में भिन्नता कई कारकों जैसे सामाजिक, आर्थिक और भौगोलिक स्थितियों पर आधारित है।

(ग) और (घ): विदेश मंत्रालय से प्राप्त सूचना के अनुसार वर्ष 2015-16, 2016-17, 2017-18 और 2018-19 में उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या का राज्य-वार विवरण अनुबंध एक में दिया गया है।

(ङ):- विदेश में अध्ययन के दौरान भारतीय छात्रों द्वारा सामना की जा रही प्रमुख समस्याओं में से कुछ निम्नानुसार हैं-

I. विश्वविद्यालय को भुगतान किए जाने वाले फीस के बारे में गलत सूचना अथवा कई कारकों के लिए अतिरिक्त फीस की मांग, फीस में अचानक वृद्धि आदि।
II. विश्वविद्यालय में छात्रों के दाखिले और ट्यूशन फीस के भुगतान के पश्चात् विदेशी विश्वविद्यालयों, संस्थानों/ कॉलेजों का अचानक बंद हो जाना अथवा मान्यता रद्द हो जाना।
III. छात्र वीजा के रद्द होने अथवा अपने देश वापस भेज देने से बचने के लिए भुगतान करने हेतु छात्रों के पास फेक कॉल आना।
IV. शैक्षिक परामर्शदाताओं/ एजेंटों, विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उत्पीड़न।
V. हॉस्टल सुविधाओं की खराब गुणवत्ता।
VI. कुद देशों में विदेशी विश्वविद्यालय के पढ़ाने का माध्यम स्थानीय भाषा होती है।
VII. डिग्री की मान्यता, डिग्री की समतुल्यता का मुद्दा।

विदेश में भारतीय छात्रों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं का समाधान करने के लिए विदेश मंत्रालय और हमारे विदेश स्थित मिशनों/ पोस्टों द्वारा विभिन्न कदम उठाए गए हैं। विदेश जा रहे भारतीय छात्रों के हितों की सुरक्षा के लिए विदेश मंत्रालय ने विदेश जा रहे भारतीय छात्रों का डेटाबेस तैयार करने हेतु मदद (मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल एफेयर्स इन ऐड ऑफ डायसपोरा इन डिस्ट्रेस) पोर्टल के भीतर ''छात्र पंजीकरण माड्यूल ''विकसित किया है जो कि उन्हें स्वैच्छिक रूप से पंजीकरण की सुविधा देता है और उनके पाठ्यक्रम, स्थान, संस्थान, पाठ्यक्रम की अवधि आदि के बारे में आकड़ा उपलब्ध कराता है इसके साथ ही फर्जी विश्वविद्यालय, फर्जी शैक्षिक परामर्शदाताओं/ एजेंटों तथा छात्रों की सुरक्षा आदि से संबंधित शिकायतों की एक अलग श्रेणी भी पोर्टल पर बनायी गई है।

भारतीय मिशन/पोस्ट के वरिष्ठ अधिकारी भारतीय छात्रों के मुद्दों का समाधान करने के लिए स्थानीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों का नियमित दौरा करते हैं। भारतीय दूतावास के छात्र कल्याण अधिकारी लगातार भारतीय छात्र संघ और विश्वविद्यालय प्रशासकों के सम्पर्क में रहते हैं। बहुत से देशों में सोसल मीडिया पर छात्रों के अनौपचारिक समूह हैं जो छात्रों से संबंधित मुद्दों की सूचना देते हैं। ये समूह छात्र कल्याण अधिकारियों के सम्पर्क में रहते हैं। फर्जी एजेंटों से संबंधित मुदों सहित भारतीय मिशन द्वारा विदेशों में 'क्या

करें’ और ‘क्या न करें’ (डू एंड डोंट डू) पर एडवाइजरी जारी की जाती है। जिसे मिशन की वेब साइट पर प्रदर्शित किया जाता है।

विदेश में भारतीय छात्रों से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए एक विशेषज्ञ समूह की स्थापना की गई है, जिसमें हितधारक मंत्रालय और सरकारी निकाय (विदेश मंत्रालय) मानव संसाधान विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारतीय चिकित्सा परिषद) और चयनित दूतावास (संयुक्त राज्य अमेरिका, यूके, कनाडा, रूस, चीन, आस्ट्रेलिया आदि) के दूतावासीय एवं शिक्षा मामलों की देख-रेख करने वाले दिल्ली में वरिष्ठ राजदूत शामिल हैं। इसके अलावा, विदेश मंत्रालय बहुत से मुद्दों पर भारत में विभिन्न विदेशी मिशन के साथ लगातार सहयोग करता है जिसमें भारत और विदेश दोनों में एजेंट और परामर्शदाताओं का विनियम शमिल है।

(च): छात्रों द्वारा कुद मारपीट/ हिंसा के मामले सूचित किए गए हैं जो भारतीय मिशन के संज्ञान में आए हैं विदेश में भारतीय छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विदेश स्थित भारतीय मिशन/ पोस्ट नियमित रूप से छात्रों के सम्पर्क में रहता है। और कोई भी घटना, जहां छात्रों की सुरक्षा जुड़ी होती है का मिशन/ पोस्ट द्वारा तत्परता से हल किया जाता है।

*****

अनुबंध-I

क्यूएस विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग के संबंध में डॉ अमोल रामसिंह कोल्हे और अन्य द्वारा दिनांक 25.11.2019 को लोक सभा में पूछे जाने वाले अतारांकित प्रश्न सं. 1170 के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध-I

क्र.सं.	देश	भारतीय छात्रों की संख्या				पीएचडी में	सामाजिक विज्ञान और प्राकृतिक विज्ञान में	टिप्पणी
		2015-16	2016-17	2017-18	2018-19			
1.	अफ़ग़ानिस्तान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
2.	अल्बानिया	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
3.	अलजीरिया	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
4.	अंगोला	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
5.	एंटीगुआ और बारबुडा	शून्य	शून्य	40	40	शून्य	शून्य	
6.	अर्जेंटीना	शून्य	1	शून्य	शून्य	1	शून्य	
7.	आर्मीनिया	शून्य	1100	1400	3000	शून्य	शून्य	
8.	ऑस्ट्रेलिया	65802	78103	93832	123851	4644	2286	
9.	ऑस्ट्रिया	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	180	डाटा उपलब्ध नहीं है	विगत चार वर्षों के दौरान उच्च शिक्षा के लिए छात्रों की संख्या लगभग 300-350 है
10.	बहरीन	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
11.	बांग्लादेश	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	कुल संख्या 910 (वर्ष वार डाटा उपलब्ध नहीं है)
12.	बारबाडोस	34	34	116	160	शून्य	शून्य	
13.	बेलारूस	221	343	476	611	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	
14.	बेल्जियम	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	कुल संख्या 700 (वर्ष वार डाटा उपलब्ध नहीं है)
15.	भूटान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
16.	बोलीविया	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
17.	बोत्सवाना	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
18.	ब्राज़िल	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	कुल संख्या 5 (वर्ष वार डाटा उपलब्ध नहीं है)
19.	ब्रुनेई दारुस्सलाम	4	5	6	6	2	शून्य	
20.	बुल्गारिया और मकदूनिया	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	ज्ञात नहीं	पिछले 3 वर्षों में कुल संख्या-300
21.	कनाडा	60969	94240	167060	172600	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	

22.	चिली	शून्य	शून्य	1	शून्य	1	शून्य	
23.	चीन	2522	4244	4466	4675	65	22	चीन में अभी लगभग 23000 भारतीय छात्र पढ़ रहे हैं। इनमें से 21000 छात्र एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे हैं। चूंकि वो अपनी निजी क्षमता से वहां गए हैं, दूतावास के पास उनका ब्यौरा नहीं है।
24.	कोलम्बिया	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
25.	कोमोरोस	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
26.	कांगो (लोकतांत्रिक गणराज्य)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
27.	कुक द्वीप	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
28.	कोस्टा रीका	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	
29.	कोटे डी आइवर	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
30.	क्रोएशिया	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
31.	क्यूबा	1	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
32.	साइप्रस	670	1962	2360	2385	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	
33.	चेक गणतंत्र	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	कुल संख्या लगभग 1500 (वर्ष वार डाटा उपलब्ध नहीं है)
34.	डेनमार्क	143	170	200	165	97	63	
35.	इजिप्ट	115	121	153	155	1	शून्य	
36.	इरिट्रिया	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
37.	एस्तोनिया	100	139	138	211	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	
38.	इथियोपिया	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
39.	फिजी	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	

40.	फिनलैंड	817	897	795	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	
41.	फ्रांस	उपलब्ध नहीं	3291	4247	विश्वविद्यालयों में सितम्बर, 2019 में हुए दाखिलों पर विचार करने के बाद ही डाटा प्रकाशित किया जाएगा।	502 छात्र (2017-2018 में पीएचडी की पढ़ाई कर रहे थे)	500	फिलहाल लगभग 10,000 छात्र फ्रांस में उच्चतर शिक्षा पा रहे हैं। 2018-19 में भारत से दाखिला होने वालों की संख्या काफी बढ़ी है।
42.	जॉर्जिया	शून्य	3000	3000	14000	शून्य	शून्य	
43.	जर्मनी	9671	10820	5536	6335	687	4667	
44.	घाना	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
45.	ग्रीस	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	2	6	कुल संख्या- 4 (वर्ष वार डाटा उपलब्ध नहीं है)
46.	गिनी	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
47.	गुयाना	110	167	170	184	शून्य	शून्य	
48.	हॉगकॉग	365	480	500	1112	उपलब्ध नहीं कराया गया	उपलब्ध नहीं कराया गया	
49.	हंगरी	194	313	506	727	322	उपलब्ध नहीं	
50.	आइसलैंड	6	3	2	11	10	शून्य	
51.	इंडोनेशिया	17	17	18	19	शून्य	शून्य	
52.	ईरान	शून्य	55	शून्य	शून्य	2	255 + लगभग 150 भारतीय छात्र मशहाद में धार्मिक अध्ययन कर रहे हैं जिन्हें सीजीआई, जाहीदान से काउंसलर सेवाएं दी जा रही हैं।	
53.	इराक	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
54.	आयरलैंड	2333	2500	4478	4600	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	

55.	इटली	1591	2348	3008	4940	शून्य	शून्य	इसके अलावा सीजीआई, मिलान ने सूचित किया है कि लगभग 850 छात्र सीजीआई, मिलान के क्षेत्राधिकार में हैं (वर्ष वार डाटा उपलब्ध नहीं है)
56.	जापान	244	259	297	357	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	
57.	जॉर्डन	शून्य	1	2	1	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	
58.	कजाखस्तान	943	827	947	1067	शून्य	डाटा नहीं रखा गया	
59.	कीनिया	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	फिलहाल 254 भारतीय छात्र नैरोबी, कीनिया में स्थित अल्जामिया सेफई विश्वविद्यालय में इस्लामिक अध्ययन कर रहे हैं।
60.	किरीबाती	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	
61.	कोरिया	1112	1201	1450	1495	शून्य	शून्य	गोपनीयता के कारणों से स्थानीय सरकार कोरिया में भारतीय छात्रों द्वारा किए जा रहे विशिष्ट पाठ्यक्रमों के बारे में सूचना साझा नहीं करती है।
62.	कुवैत	उपलब्ध नहीं	79	178	उपलब्ध नहीं	शून्य	शून्य	
63.	किर्गिस्तान	1500	2000	2000	3500	शून्य	शून्य	
64.	लाओ पीडीआर	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
65.	लातविया	उपलब्ध नहीं	1600	1650	1850	8	उपलब्ध नहीं	
66.	लेबनान	शून्य	शून्य	5	5	शून्य	5	
67.	लाइबेरिया	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
68.	लिथुआनिया	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	कुल संख्या- लगभग 1000 (वर्ष वार डाटा उपलब्ध नहीं है)
69.	लक्समबर्ग	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	

70.	मेडागास्कर	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
71.	मलावी	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
72.	मलेशिया	उपलब्ध नहीं	1774	1869	2263	385	2496	
73.	मालदीव	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	
74.	माली	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
75.	माल्टा	1	2	43	162	1	207	
76.	मॉरीशस	160	175	225	250	1	3	
77.	मेक्सिको	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	
78.	मोलदोवा	119	104	250	262	शून्य	शून्य	
79.	मंगोलिया	शून्य	1	शून्य	1	शून्य	शून्य	
80.	मोरक्को	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
81.	मोजाम्बिक	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
82.	म्यांमार	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
83.	नौरू	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	
84.	नेपाल	603	516	387	303	शून्य	शून्य	
85.	नीदरलैंड	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	50	300	
86.	निकारगुआ	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	
87.	नाइजर	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
88.	नाइजीरिया	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
89.	नॉर्वे	179	121	172	197	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	
90.	ओमान	शून्य	4	शून्य	2	शून्य	शून्य	
91.	पाकिस्तान	26	23	14	33	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	ये आंकड़े दस्तावेजों के सत्यापन हेतु उच्च आयोग जाने वाले भारतीय छात्रों के आधार पर हैं।
92.	फिलिस्तीन	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
93.	पनामा,	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	

94.	पापुआ न्यू गिनी	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
95.	पेरू	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
96.	फिलीपींस	6000	8500	12500	14000	शून्य	उपलब्ध नहीं	
97.	पोलैंड	418	685	975	884	डाटा नहीं रखा गया	डाटा उपलब्ध नहीं	
98.	पुर्तगाल	21	5	5	3	16	उपलब्ध नहीं	
99.	कतर	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
100.	रीयूनियन द्वीप	4	4	2	4	2	4	
101.	रोमानिया	114	68	38	110	शून्य	शून्य	
102.	रूस	6898	6903	11250	15600	8	7 सामाजिक विज्ञान, 1093 प्राकृतिक विज्ञान	इसके अलावा, सीजीआई व्लादीवोस्टोक ने सूचित किया है कि लगभग 290 छात्र उनके क्षेत्राधिकार में पढ़ रहे हैं। (वर्ष वार डाटा उपलब्ध नहीं है)
103.	रवांडा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	
104.	साओ टोम और प्रिंसिपे	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
105.	सऊदी अरब	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	810	800	20	15	
106.	सर्बिया	शून्य	शून्य	1	शून्य	शून्य	शून्य	
107.	सिंगापुर	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	डाटा नहीं रखा गया	डाटा उपलब्ध नहीं	प्रत्येक वर्ष 1500 से अधिक छात्र उच्चतर शिक्षा के लिए सिंगापुर आते हैं।
108.	स्लोवाकिया	24	9	21	3	डाटा नहीं रखा गया	डाटा उपलब्ध नहीं	
109.	स्लोवेनिया	3	13	10	8	8	32	
110.	दक्षिण अफ्रीका	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	20	15	
111.	दक्षिण सूडान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
112.	स्पेन	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	692	709	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	
113.	श्री लंका	2	1	3	8	1	उपलब्ध नहीं	
114.	सेंट किट्स एंड नेविस	9	11	10	20	शून्य	शून्य	

115.	सेंट लूसिया	231	231	231	330	शून्य	शून्य	
116.	सेंट विन्सेंट एंड ग्रेनाडाईंस	शून्य	शून्य	शून्य	25	शून्य	शून्य	
117.	सूडान	11	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
118.	सूरीनाम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
119.	स्वीडन	उपलब्ध नहीं	2800	3000	3200	252	37	
120.	स्विट्जरलैंड	350	350	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	71	71	
121.	सीरिया	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
122.	तजाकिस्तान	246	514	817	1199	शून्य	शून्य	
123.	तंजानिया	शून्य	शून्य	2	2	शून्य	शून्य	
124.	थाईलैंड	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	436	65	9	
125.	टोंगा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	
126.	त्रिनिदाद और टोबेगो	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	शून्य	शून्य	सटीक डाटा उपलब्ध नहीं है। छात्रों की अनुमानित संख्या फिलहाल 81 है। एक को छोड़कर सभी छात्र ग्रेनाडा में मेडिकल के छात्र हैं।
127.	तुर्की	24	25	26	26	42	7	कुल 67 छात्रों ने दूतावास में पंजीकरण किया है।
128.	तुर्कमेनिस्तान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
129.	तुवालू	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	
130.	संयुक्त अरब अमीरात	शून्य	शून्य	5500	8000	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	
131.	युगांडा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
132.	यूक्रेन	7867	10963	10569	14000	शून्य	शून्य	
133.	यूनाइटेड किंगडम	16745	16559	19750	अभी आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए हैं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	
134.	अमेरीका	385130	423863	437836	209063	380145	50648	
135.	उज़्बेकिस्तान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
136.	वानुअतु	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	

137.	वेनेजुएला, अरूबा, कुराकाओ और सेंट मार्टिन	202	279	281	188	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	
138.	वियतनाम	शून्य	शून्य	शून्य	3	1	शून्य	
139.	जाम्बिया	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
140.	जिम्बाब्वे	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	
	कुल	**574871**	**684823**	**806326**	**620156**	**387612**	**62898**	
नोटःकुछ देशों के संबंध में वर्ष-वार और विषय-वार डाटा उपलब्ध नहीं है उन मामलों में छात्रों की कुल संख्या का उल्लेख टिप्पणी में किया गया है।								

*****